Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

09 सितम्बर 2026

वर्ष - 04, अंक - 19 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 1,51,905 Silver 2,95,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

UPI भारत के बदलाव की कहानी : 10 साल पहले बैंक अकाउंट फिंगर टिप पर लाने पर किसी को यकीन नहीं था, आज ये हकीकत - पीएम मोदी

नई दिल्ली । पीएम मोदी ने मंगलवार शाम ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 का उद्घाटन किया। पीएम ने कहा- UPI भारत के विकास की कहानी है। 10 साल पहले बैंक अकाउंट फिंगर टिप पर लाने पर किसी को यकीन नहीं था, लेकिन आज ये हकीकत बन चुका है। उन्होंने कहा- हमें उन देशों में भी UPI का विस्तार करना चाहिए, जिनके साथ भारत व्यापार करता है। भारत और सिंगापुर के बीच UPI से लेन-देन करना उतना ही आसान हो गया है, जितना दो भारतीय शहरों के बीच होता है। पीएम ने कहा- आज दुनिया संघर्षों और अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है। ऊर्जा और वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव है। यह स्थिति कई महीनों से बनी हुई है, और अप्रैल से जून की तिमाही विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण रही है। ऐसे समय में, जब भारत 7.8% की दर से विकास करता है, तो

विश्व को एक नया विश्वास मिलता है। हमारी संप्रभु रेटिंग भारत में बढ़ते भरोसे का एक और उदाहरण है। हाल ही में, जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की संप्रभु रेटिंग को 'ए' श्रेणी में अपग्रेड किया है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह तीन दशकों, यानी 30 वर्षों के बाद संभव हुआ है।

भारत की फिनटेक गाथा अद्भुत रही है। यूपीआई इसका एक बड़ा उदाहरण है। यह इतना बड़ा परिवर्तन है कि जब भी फिनटेक पर चर्चा होगी, यूपीआई के बिना यह अधूरी होगी। दस साल पहले, जब मैं कहता था कि आपका बैंक आपकी उंगलियों पर होगा, तो कुछ लोगों को यह असंभव लगता था। मैं जानकार लोगों की बात कर रहा हूं; उनके चेहरे याद कीजिए। जिस समय हम यहां बैठे हैं, लगभग 50,000 यूपीआई लेनदेन हो चुके होंगे। फिनटेक सम्मेलन में हर बार भाग लेने के साथ विकसित भारत के लक्ष्य में उनका विश्वास और मजबूत होता जा रहा है। "जब भी मैं यहाँ आता हूं, मुझे और अधिक ऊर्जा मिलती है, अधिक युवा दिखाई देते हैं तो संभावनाओं का दायरा बढ़ता हुआ दिखाई देता है। ऐसा लगता है जैसे जोखिम लेने की क्षमता पर बोझ कम हो रहा है और सपने साकार होते नज़र आ रहे हैं।

2020 में शुरू हुआ था ग्लोबल फिनटेक फेस्ट - GFF को 2020 में आकार दिया गया था। इसमें नीति, नियम, तकनीक और उद्योग से जुड़े लोग एक मंच पर साथ आते हैं। केंद्रीय बैंक, वित्तीय संस्थान, टेक कंपनियों समेत कई वैश्विक विशेषज्ञ इकोनॉमी पर चर्चा करते हैं। इसका मकसद डिजिटल पेमेंट और वित्तीय समावेशन में भारत की भूमिका मजबूत करना और नई संभावनाओं को जमीनी असर में बदलना है।

रास्ता विवाद और अवैध कब्जों की गुहार लेकर लोग पहुंचे कलेक्टर द्वार

कलेक्टर की सख्ती से 92% मामलों का समाधान ढाई साल में आए 11,828 आवेदनों में से 10,940 का निराकरण, कई विभागों में पेंडेंसी हुई शून्य

नीमच | फसल बीमा की अटकी राशि, खेतों के रास्ते पर दबंगों का कब्जा, चरनोई भूमि पर अवैध निर्माण और भू-माफियाओं द्वारा की जा रही धोखाधड़ी। आम जनता से जुड़ी इन गंभीर और संवेदनशील समस्याओं का नीमच कलेक्टोरेट में समयबद्ध निराकरण किया जा रहा है। प्रशासनिक मॉनिटरिंग और मैदानी स्तर पर की जा रही त्वरित कार्रवाई के चलते जिला प्रशासन ने जनसुनवाई के माध्यम से जनसमस्याओं के समाधान का एक मजबूत तंत्र तैयार किया है।

विगत ढाई वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो जनसुनवाई में कुल 11,828 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 10,940 प्रकरणों का सफलतापूर्वक समाधान कर दिया गया है। इस तरह कुल आवेदनों के निराकरण का आंकड़ा 92.49 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

खेतों के बंद रास्ते खुलवाए, किसान को मिले बीमा के 44,974 जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों पर केवल कागजी कार्रवाई न करते हुए प्रशासनिक टीमों को मौके पर भेजकर राहत दिलाई जा रही है:

रास्ते का विवाद सुलझाः ग्राम सेमलीजागीर और ग्राम बामनी में निजी व कृषि भूमि तक आने-जाने के रास्ते रोके जाने की शिकायतें मिली थीं। इस पर राजस्व और पुलिस अमले की मौजूदगी में मौके पर निरीक्षण कर बाधित रास्तों को तत्काल खुलवाया गया।

फसल बीमा का भुगतानः मनासा तहसील के ग्राम कड़ी बुजुर्ग निवासी किसान गोपाल गुर्जर ने फसल नुकसान के बाद भी बीमा राशि न मिलने की गुहार लगाई थी। जिला लीड बैंक मैनेजर से समन्वय कर शिकायत के चार दिनों के भीतर ही 14 अगस्त को किसान के खाते में 44,974 की बीमा राशि हस्तांतरित कराई गई।

मंगलवार की जनसुनवाई में पहुंचे 121 आवेदक - मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने 121 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान मंदिर भूमि के नामांतरण, कुएं से सिंचाई के अधिकार, चरनोई भूमि से बेदखली, जमीनों की फर्जी रजिस्ट्री, मारपीट और धार्मिक भूमि पर अवैध निर्माण जैसी गंभीर शिकायतें सामने आईं। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को सभी प्रकरणों में समय-सीमा तय कर संतोषजनक कार्रवाई करने के कड़े निर्देश दिए।

15 से अधिक विभागों में लंबित मामले हुए 'जीरो' - कलेक्टर द्वारा की जा रही नियमित समीक्षा का ही नतीजा है कि जिले के कई प्रमुख विभागों में जनसुनवाई का एक भी आवेदन पेंडिंग नहीं है। एडीएम कार्यालय, कृषि, अजाक थाना, भू-अर्जन, आबकारी, उद्यानिकी, पेंशन कार्यालय, रोजगार विभाग, पीएचई, सीएसपी कार्यालय, सीआरपीएफ, बीएमओ मनासा तथा डीकेन व कुकड़ेश्वर नगर परिषद जैसे विभागों में पेंडेंसी शून्य दर्ज की गई है। इसके अलावा रेडक्रॉस और सामाजिक सुरक्षा पेंशन से जुड़ी शिकायतों का भी प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जा रहा है।

50 दिन से ज्यादा पुरानी शिकायतें अब नहीं रहेंगी लंबित, लापरवाही पर अफसरों पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने समय-सीमा बैठक में दिखाई सख्ती, 10 सितंबर से गांव-गांव लगेंगे फार्मर रजिस्ट्री कैंप; अधिकारियों को सप्ताह में दो दिन मैदानी भ्रमण के निर्देश

नीमच। सरकारी दफ्तरों में महीनों से लंबित शिकायतों और प्रकरणों को लेकर प्रशासन अब सख्त रुख अपनाने जा रहा है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 50 दिन से अधिक पुराने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत किया जाए। निराकरण योग्य मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने अथवा शिकायतों के समाधान में कोताही बरतने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के कामकाज और शासकीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ काम किया जाए। अधिकारियों को निर्धारित साप्ताहिक लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

सप्ताह में दो दिन गांव-मैदान में उतरेंगे अधिकारी - कलेक्टर ने राजस्व सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को सप्ताह में कम से कम दो दिन अनिवार्य रूप से मैदानी भ्रमण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी कार्यालयों तक सीमित न रहें, बल्कि गांवों और क्षेत्रों में पहुंचकर योजनाओं की जमीनी स्थिति देखें तथा लोगों की समस्याओं का मौके पर निराकरण कराएं। क्षेत्र भ्रमण के दौरान सामने आने वाली समस्याओं की नियमित निगरानी और रिपोर्टिंग पर भी जोर दिया गया।

10 सितंबर से गांवों में फार्मर रजिस्ट्री कैंप - किसानों से जुड़े फार्मर रजिस्ट्री कार्य को गति देने के लिए 10 सितंबर से गांव-गांव शिविर लगाए जाएंगे। राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीमें इन शिविरों में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूरा कराएंगी। प्रशासन का जोर अधिक से अधिक किसानों को इस प्रक्रिया से जोड़ने पर रहेगा।

गंदे पानी की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई - पेयजल व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने नगरीय निकायों को गंदे पानी की शिकायतों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक सप्ताह पेयजल की गुणवत्ता की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना स्थानीय प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

गौशालाओं का तीन दिन में निरीक्षण - बैठक में गौशालाओं की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को तीन दिन के भीतर गौशालाओं का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

ट्रैक्टर की टक्कर से 11 साल के बच्चे की मौत, 3 घायल

नीमच 8 सितम्बर (निप्र)। जिले के जीरन थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक सड़क हादसे में 11 साल के बच्चे की मौत हो गई। इस घटना में तीन अन्य लोग घायल हो गए। हादसा जीरन पेट्रोल पंप के पास हुआ, जब एक ट्रैक्टर ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, तालखेड़ा निवासी जुनैद (9) पिता अकबर खान, समीर (11) पिता अकबर खान, अरबाज खान (24) पिता इनायत खान और निकुम चौराहा निवासी इस्माइल खान (17) पिता अजीज खान एक ही बाइक पर सवार थे। ये सभी हरकियाखाल घूमने गए थे। दोपहर में जब वे वापस लौट रहे थे, तभी जीरन पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घायल हुए चारों लोग करीब आधे से एक घंटे तक सड़क पर ही पड़े रहे। बाद में राहगीरों की सूचना पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तुरंत जीरन के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद चारों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें नीमच जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद 11 साल के समीर को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल जुनैद, अरबाज और इस्माइल का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही जीरन पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

एमपी के सरकारी अस्पतालों में OPD बंद, इंटर्न डॉक्टर्स पर वाटर कैनन चलाने वालों पर कार्रवाई के आदेश

भोपाल 8 सितम्बर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टर्स का राजधानी भोपाल में प्रदर्शन मंगलवार 8 जून 2026 को दूसरे दिन भी जारी है। डॉक्टर रातभर सड़क पर बैठे रहे और मंगलवार सुबह से एक बार फिर प्रदर्शन करते हुए सड़क पर जाम लगा दिया। यही नहीं, जानकारी ये भी है कि, इंदौर, रतलाम समेत प्रदेश के कई सरकारी अस्पतालों के इंटर्न और जूनियर डॉक्टर भी इस विरोध प्रदर्शन में उतर आए हैं। आपको बता दें कि, इंटर्न डॉक्टर मौजूदा 14,337 रुपए स्टाइपेंड को बढ़ाकर 30 हजार करने की मांग पर अड़े हैं और सीएम निवास से महज 200 मीटर दूर शहर की मुख्य सड़कों में से एक कमला पार्क रोड को घेरे हुए हैं। आपको बता दें कि, इस आंदोलन के चलते प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में नियमित ओपीडी सेवाएं प्रभावित होना शुरु हो गई हैं। हालांकि, इमरजेंसी सेवाएं जारी हैं।

अतिक्रमण हटाने गई नपा टीम का विरोध : बहस के बाद बिना कार्रवाई लौटे कर्मचारी, बोले- दस्तावेजों की जांच करेंगे

नीमच 8 सितम्बर (निप्र) । अम्बेडकर कॉलोनी में मंगलवार को अतिक्रमण हटाने पहुंची नगर पालिका की टीम को विरोध का सामना करना पड़ा। कार्रवाई शुरू होने से पहले ही दो पक्ष आमने-सामने आ गए और उनके बीच तीखी बहस होने लगी। विवाद बढ़ता देख नगर पालिका का अमला बिना कार्रवाई किए लौट गया। अधिकारियों का कहना है कि दोनों पक्षों के दस्तावेजों और जमीन से जुड़े दावों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नगर पालिका की जमीन पर निर्माण का आरोप - पूर्व यादव समाज अध्यक्ष मनीष गोयल ने आरोप लगाया कि नारायणगिरी बाबा के स्थान के पास नगर पालिका की जमीन पर अजेश जाट ने निर्माण किया है। उनका कहना है कि इससे मुख्य रास्ता बंद हो रहा है। गोयल के मुताबिक, पहले यहां गुमटी रखी गई थी और बाद में तिरपाल लगाकर पक्का निर्माण शुरू कर दिया गया। गोयल ने कहा कि इस जमीन पर नगर पालिका की बाउंड्रीवॉल और मुख्य द्वार बनाया जाना है। उन्होंने कार्रवाई में राजनीतिक संरक्षण के कारण देरी का आरोप लगाते हुए कलेक्टर से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की।

अजेश जाट ने इन आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि जमीन कई साल से उनके कब्जे में है और उनके पास इसके वैध दस्तावेज हैं। जाट ने कहा कि उन्हें अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से आपत्ति नहीं है, लेकिन कार्रवाई सिर्फ उनके खिलाफ नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर नगर पालिका इलाके में अतिक्रमण हटा रही है तो सभी अतिक्रमणों पर बिना भेदभाव के कार्रवाई की जाए। शिकायत मिलने के बाद मंगलवार को नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंची थी।

जैसे ही टीम ने कार्रवाई की तैयारी शुरू की, वहां स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। दोनों पक्षों के बीच बहस बढ़ने और विरोध के बाद नगर पालिका की टीम ने कार्रवाई रोक दी और वापस लौट गई।

दस्तावेज जांच के बाद होगा फैसला - नगर पालिका अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल दोनों पक्षों के दावों और जमीन से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद नियम के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

7 बार सीमांकन और कोर्ट के फैसले के बाद भी मुख्य सड़क पर जमीन मांग रहा किसान

नीमच । 21 दिन पहले कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में कंजार्डा (मनासा) के किसान हीरालाल मालवीय द्वारा प्रशासनिक उपेक्षा का आरोप लगाकर डीजल छिड़ककर आत्मदाह के प्रयास के मामले में जिला प्रशासन ने स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनासा ने आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि किसान द्वारा लगाए गए प्रशासनिक उपेक्षा और अवैध कब्जे के तमाम आरोप पूरी तरह निराधार और तथ्यहीन हैं।

प्रशासन के अनुसार, किसान की वास्तविक भूमि मुख्य सड़क से पीछे है, लेकिन वह सड़क किनारे स्थित अन्य व्यक्ति की जमीन पर जबरन कब्जे का दावा कर रहा है।

प्रशासनिक एवं न्यायिक जांच के मुख्य बिंदु - 7 बार हो चुका है सीमांकनः ग्राम कंजार्डा स्थित सर्वे क्रमांक 702 की भूमि का अब तक 7 बार सीमांकन कराया जा चुका है। हर बार रिपोर्ट में यही सामने आया कि हीरालाल की जमीन मुख्य सड़क के पीछे है, जबकि वे मुख्य सड़क पर स्थित दिलीप मेहता की भूमि पर अपना हक जता रहे हैं।

सिविल कोर्ट से खारिज हो चुकी है अपीलः इस भूमि विवाद में प्रथम जिला न्यायाधीश, मनासा के न्यायालय (RCA 31/2023) ने 15 जुलाई 2026 को आदेश जारी कर किसान की अपील निरस्त कर दी थी और भूमि में हस्तक्षेप न करने के निर्देश दिए थे।

वर्तमान में भी मामला विचाराधीनः किसान ने इसी विवाद को लेकर प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2, मनासा के समक्ष नया प्रकरण (RCA/34/2026) दायर किया है, जो अभी न्यायालय में विचाराधीन है।

जांच के दिन अनुपस्थित रहकर बनाया दबावः प्रशासन ने पुनः जांच के लिए किसान हीरालाल को 08 सितंबर 2026 को सुबह 11 बजे एसडीएम कार्यालय मनासा में पेश होने का समय दिया था (जिसकी लिखित नोटिंग खुद किसान ने की थी)। हालांकि, वे वहां जाने के बजाय कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और आत्मदाह का प्रयास कर प्रशासनिक दबाव बनाने की कोशिश की।

दूसरे पक्ष ने भी की है पुलिस में शिकायत - मामले के दूसरे पक्ष दिलीप कुमार पिता छोगमल मेहता ने भी 22 जुलाई 2026 को हीरालाल एवं अन्य के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक, थाना प्रभारी मनासा और चौकी प्रभारी को लिखित शिकायत दी है, जिस पर पुलिसिया कार्रवाई जारी है।

इनका कहना है

'मामले में 7 बार सीमांकन कराया जा चुका है और सिविल न्यायालय का आदेश भी आ चुका है। न्यायालयीन प्रक्रिया और आदेशों के विपरीत जाकर राजस्व स्तर से किसान को इच्छानुसार राहत देना नियम विरुद्ध है। मुख्य सड़क की जमीन पर कब्जा दिलाना संभव नहीं है।'

- श्रीमती किरण आंजना, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मनासा

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

ललित गर्ग

विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है।

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है।

विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान,

संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला, चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो विद्या भारती का शैक्षिक प्रयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। अंतर यह है कि नीति एक राष्ट्रीय नीति-ढांचा उपलब्ध कराती है, जबकि विद्या भारती जैसा सामाजिक संगठन लंबे समय से विद्यालय स्तर पर मूल्याधारित शिक्षा का अपना प्रयोग करता आया है। इसलिए यदि पश्चिम बंगाल सरकार इस विस्तार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक विज्ञान, तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है तो इसका प्रभाव केवल नए विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं रहेगा।

विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। यदि नए विद्यालय केवल भवन बनकर रह गए तो लक्ष्य अधूरा होगा; यदि वे अच्छे शिक्षक और अच्छे नागरिक बनाने के केंद्र बनते हैं, तभी यह पहल ऐतिहासिक सिद्ध होगी। यहीं स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अनेक सरकारी विद्यालय संसाधनों की कमी, शिक्षक-अभाव, आधारभूत सुविधाओं की कमजोरी, तकनीकी पिछड़ेपन और स्थानीय सहभागिता की कमी जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं। सरकार अकेले प्रत्येक विद्यालय की हर आवश्यकता पूरी करे, यह व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को सरकार के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। विद्या भारती के विस्तार के साथ यह सहयोग एक नया मॉडल विकसित कर सकता है-सरकार आधारभूत संरचना और नियामक सहयोग दे, स्वयंसेवी संगठन शैक्षिक नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मूल्याधारित कार्यक्रमों में योगदान करें तथा स्थानीय समाज विद्यालय को अपना संस्थान समझकर उसके विकास में सहभागी बने। विद्या भारती के विस्तार के साथ यदि व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण अभियान चलाया जाए, जिसमें भारतीय दर्शन के साथ आधुनिक शिक्षाशास्त्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, मनोविज्ञान, कौशल शिक्षा और नई मूल्यांकन पद्धतियां शामिल हों, तो यह पूरे देश के लिए अनुकरणीय मॉडल बन सकता है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वंदे मातरम्, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है। लेकिन दीर्घकालीन दृष्टि से आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जिसमें राष्ट्रप्रेम स्वाभाविक संस्कार बने, आदेश या भय का विषय नहीं। पश्चिम बंगाल की यह पहल इसलिए संपूर्ण राष्ट्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण सबक या प्रेरणा है कि शिक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। सरकार, समाज, अभिभावक, शिक्षक, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाएं और पूर्व विद्यार्थी-सभी मिलकर शिक्षा का नया सामाजिक तंत्र बना सकते हैं। यदि विद्या भारती के पास संगठनात्मक अनुभव है, सरकार के पास संसाधन और नीतिगत शक्ति है तथा समाज के पास सहभागिता की क्षमता है, तो इन तीनों का समन्वय शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। आज भारत को ऐसी शिक्षा चाहिए जो आधुनिक भी हो और अपनी जड़ों से जुड़ी हुई भी; वैज्ञानिक भी हो और संस्कारवान भी; रोजगारपरक भी हो और चरित्रनिर्माणकारी भी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इसके लिए नीतिगत दिशा दी है। अब आवश्यकता है कि विभिन्न राज्य और सामाजिक संगठन अपने-अपने स्तर पर इसके प्रभावी प्रयोग प्रस्तुत करें। पश्चिम बंगाल में विद्या भारती के एक हजार नए विद्यालयों का लक्ष्य इसी संदर्भ में एक प्रयोगशाला बन सकता है।

शुभेंदु अधिकारी की घोषणा इसलिए बधाई के योग्य है कि इसने शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से आगे बढ़ाकर सामाजिक सहभागिता और भारतीय शिक्षा-दृष्टि के विमर्श के केंद्र में ला दिया है। अब असली परीक्षा घोषणा की नहीं, उसके क्रियान्वयन की है। यदि एक वर्ष में विद्यालयों की संख्या बढ़ाने के साथ शिक्षक की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता, आधुनिक विज्ञान, तकनीकी दक्षता, भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिकता, संवैधानिक चेतना और सामाजिक समरसता को समान महत्व दिया गया, तो बंगाल का यह प्रयोग केवल बंगाल का नहीं रहेगा। यह भारत को यह संदेश दे सकता है कि शिक्षा व्यवस्था को बदलने के लिए केवल नई इमारतें नहीं, नई दृष्टि और समाज की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है। और शायद यही आज के भारत की सबसे बड़ी शैक्षिक आवश्यकता है-'ज्ञान आधुनिक हो, दृष्टि वैज्ञानिक हो, चरित्र भारतीय हो और शिक्षा का अंतिम लक्ष्य राष्ट्र एवं मानवता का कल्याण हो।'

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

संपादकीय

क्या मंशा है ट्रंप की?

ईरान युद्ध के छह माह के दौरान 10 लाख से अधिक भारतीयों को खाड़ी देशों से वापस घर आना पड़ा है। वे अचानक बेरोजगार हो गए हैं। खाड़ी देशों में काम करते हुए भारतीय करीब 51-54 अरब अमरीकी डॉलर अपने घरों को भेजते रहे हैं। यह औसत अब काफी कम हो सकता है। खाड़ी देशों में करीब 1 करोड़ भारतीय विभिन्न क्षेत्रों में, लंबे वक्त से, काम कर रहे हैं। अचानक थोपे गए युद्ध ने बहुत कुछ अस्थिर, अनिश्चित कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद है और उस पर ईरान की आईआरजीसी का पूर्ण नियंत्रण है। राष्ट्रपति ट्रंप सपने देखते रहते हैं, लिहाजा यह बयान भी अटपटा नहीं लगना चाहिए कि उन्होंने कहा है कि होर्मुज का नाम बदल कर ह्यट्रंप स्ट्रेटह्न कर देना चाहिए। बहरहाल होर्मुज से कच्चे तेल की भारत को आपूर्ति नगण्य है। कतर, कुवैत, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात को भारत जो इंजीनियरिंग उत्पाद निर्यात करता था, वह लगभग ठप हो गया है। बासमती चावल, केला, नारियल और चाय पत्ती आदि का निर्यात भी 50 फीसदी तक गिर गया है। यह आर्थिक नुकसान, अंततः, भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा। अब भारत एलपीजी और एलएनजी का, अमरीका से, सबसे बड़ा आयातक बन गया है। भारत ने कुल 11 लाख टन एलपीजी का आयात किया है, जिसमें अमरीका की हिस्सेदारी करीब 6 लाख टन है। अमरीका से ही एलएनजी का आयात भी 38 फीसदी से अधिक है। कभी कतर हमें 43-45 फीसदी एलएनजी की आपूर्ति करता था। अमरीकी गैस महंगी भी पड़ती है, लेकिन मजबूरी है कि इतने विशाल देश की खपत के लिए पर्याप्त गैस भी अनिवार्य है। अमरीकी पाबंदियों के बावजूद भारत ने जून-जुलाई में रूस से औसतन 26-28 लाख बैरल तेल रोजाना खरीदा है। यह हिस्सेदारी 50-55 फीसदी है। तेल-गैस का कारोबार बढे और वेनेजुएला के तेल पर 'अवैध' कब्जा करने के बावजूद अमरीका पर कर्ज 40 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह चीन, जर्मनी, जापान, ब्रिटेन और भारत की साझा, कुल अर्थव्यवस्थाओं से भी अधिक है। यह कर्ज प्रत्येक अमरीकी पर करीब 1,19,000 डॉलर का है और प्रत्येक घर पर करीब 3 लाख डॉलर का कर्ज है। राष्ट्रपति ट्रंप इसे पिछले 35 साल का कर्ज मानते हैं और अपने कार्यकाल के दौरान कर्ज को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। बहरहाल युद्ध में संहारक प्रहार वाली, इंटरसेप्टर मिसाइलों-पैट्रियट और थाड-की कमी 50-65 फीसदी है। उत्पादन के पुराने स्तर तक लौटने में सालों लगेंगे, लेकिन फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध को लंबा खींचना चाहते हैं। या यूं कहें कि वह ऐसे 'चक्रव्यूह' में फंस गए हैं कि युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं दिख रहा। अब राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ईरान में तख्तापलट की साजिशों में जुटे हैं।

चिंतन-मनन

निर्णय में बदलाव पर नजर

लोगों के व्यवहार व कार्यों से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गंध भी फैलाकर जा सकते हैं-परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निणार्यात्मक ठहराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छे या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूठ कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूठ ही कहेगा। निर्णय स्वतः ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो।

हां, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर उठा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें संदेह, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती हैं, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है। जब कोई शिकायत करता है, पहले तुम सुनते हो। फिर उसकी हां में हां मिलाते हो, फिर उसके साथ सहानुभूति दिखाते हो; फिर तुम भी शिकायत करने लगते हो। बस, याद रखो, अपने निर्णयों को पक्का मत होने दो।

पौषध व्रत का पालन जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाता है - साध्वी अमी दर्शाश्रीजी

नीमच 9 सितम्बर । प्राचीन काल में जैन समाज के लोग पौषध व्रत का पालन करते थे। इस व्रत जैन साधु साध्वी की तरह जीवन यापन करना होता है। जीव दया का पालन करना होता है। जिससे जीव हिंसा नहीं होती है और पाप कर्म भी नहीं होते हैं और पुण्य कर्म बढ़ता है। और आत्म कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है।यह बात साध्वी अमी पूर्णा श्री जी महाराज साहब की सुशिष्या प्रवचन प्रभाविका साध्वी अमी दर्शा श्री जी महाराज साहब ने कही।वे श्री भीड़ भंजन पार्श्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में सुबह 9बजे मिडिल स्कूल मैदान के समीप जैन भवन सभागार में आयोजित विशेष पर्युषण प्रवचन श्रृंखला में उपस्थित समाज जनों को संबोधित करते हुए बोल रही थी। उन्होंने कहा कि समर्पण भक्ति बलिदान की भावना हो तो देवता को भी धरती पर आना पड़ता है।

जैन समाज के लोगों द्वारा गलती करने वाले को क्षमादान देने के लिए जीव दया का पालन करने के कारण अंग्रेज लोग भी जैन समाज के लोगों को सम्मान देते थे। हृदय में सरलता रहनी चाहिए। पांच कर्तव्यों का पालन पर्युषण पर्व में करना चाहिए तभी आत्मा पवित्र होती है। जैन समाज के लोग भक्ति और पूजा में अपने नौकर या किसी गरीब आदमी को भी आगे बढ़ाते हैं तो उसका भी पुण्य फल मिलता है। जीव दया मैत्री भाव आत्मा को पवित्र करने में सहयोगी बनता है। जहां क्षमा होती है वहां सृजन होता है जहां बैर होता है वहां विसर्जन होता है।

मंदिर में चंदन स्वयं घीसना चाहिए तभी उसका पुण्य फल मिलता है।राजा ,ज्योतिष, गुरु और मंदिर में खाली हाथ नहीं जाना चाहिए।रामायण और महाभारत भी हमें यही संस्कार सिखाती है। पर्यूषण पर्व आत्मा को पवित्र बनाने का पर्व है। साध्वी लब्धि पूर्णा श्री जी मसा एवं नीमच की बेटी साध्वी मृदुपूर्णा श्री जी महाराज साहब की निश्रा मिली।

तपस्वियों की अनुमोदना.. - इस अवसर पर सभी समाज जनों ने तपस्वियों के उपवास की तपस्या पुर्ण होने के लिए सामूहिक रूप से अनुमोदना कर हर्ष हर्ष जय जय जय घोष लगा कर की गई। इस अवसर पर विभिन्न समाज जनों ने एकासना बियासना, तैला,उपवास की तपस्या के लिए पंचकखान मांगलिक श्रवण कर संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर भीड़ भंजन पार्श्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी सदस्य सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। गुरु वंदना विजय छाजेड़ द्वारा करवाई गई।

संत रविदास स्वरोजगार योजना से मिला संबल, ऑटो व्यवसाय ने बदली भारत बनोधा की जिंदगी

नीमच । शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंदों को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। नीमच के शक्तिनगर विस्तार, बघाना निवासी श्री भारत बनोधा पिता श्री राधेश्याम के जीवन में संत रविदास स्वरोजगार योजना ने आर्थिक संबल प्रदान कर आत्मनिर्भरता की नई राह खोली है।

जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के माध्यम से योजना का लाभ प्राप्त करते हुए श्री भारत बनौदा को 2 लाख 60 हजार रुपये का ऋण पंजाब नेशनल बैंक से मिला, जिससे उन्होंने अपना ऑटो व्यवसाय प्रारंभ किया। वर्तमान में वे इस व्यवसाय से प्रतिमाह लगभग 12 से 15 हजार रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है और उनमें आत्मविश्वास एवं स्वावलंबन की भावना मजबूत हुई है। संत रविदास स्वरोजगार योजना के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को बैंक ऋण एवं शासकीय सहायता उपलब्ध कराकर व्यवसाय एवं स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। जिले में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन एवं प्रयासों से विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

श्री भारत बनोधा कहते हैं, कि शासन की योजना और जिला अंत्यावसायी समिति के सहयोग से उनका अपना व्यवसाय शुरू करने का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस योजना से हुए लाभ के लिए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की सहायता ने उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया है।

इनरव्हील ने किया सेवा प्रकल्प

नीमच। इनरव्हील क्लब नीमच द्वारा भागेश्वर मंदिर के पास स्थित आंगनबाड़ी केंद्र मे सेवा प्रकल्प किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती एवं इनरव्हील जनक ओलीवर गोल्डी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। स्वागत उद्बोधन क्लब अध्यक्ष सिम्मी सलूजा ने दिया। आंगनवाड़ी में क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार एवं फीडिंग गाउन का वितरण अध्यक्ष सिम्मी सलूजा के आर्थिक सहयोग से प्रदान किए गए। वही नवजात शिशुओं के लिए गद्दों का वितरण कुसुम कदम के सहयोग से प्रदान किए गए।

इस अवसर पर श्री रामानुजन आयुर्वेद एवं पंचकर्म सेंटर की सचालक डॉ पिंकी मूंदड़ा द्वारा उपस्थित गर्भवती महिलाओं को संबोधित किया गया एवं बताया कि गर्भावस्था के दौरान एवं प्रसूति के बाद किस प्रकार का खानपान लेना आवश्यक है? एवं क्या-क्या सावधानियाँ रखनी है।

इस अवसर पर रागिनी कालरा, तृप्ति दुआ, अमरजीत छाबड़ा, सरिता पाटीदार, मंजुला शर्मा एवं उपाध्यक्ष नेहा गुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का सचालन हेमांगिनी त्रिवेदी ने किया। एवं आभार अल्का श्रीवास्तव ने माना।

जिला वुशु प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम : चयनित खिलाड़ी 16 से 18 सितंबर तक भोपाल में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लेंगे हिस्सा

मंदसौर। मंदसौर जिला वुशु एसोसिएशन के तत्वावधान में आईपीएस इंग्लिश स्कूल, गांधीनगर के सहयोग से 2 सितंबर को 8 वीं जिला स्तरीय वुशु प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर विभिन्न वजन वर्गों में खेल कौशल का प्रदर्शन किया और पदक जीते। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित खिलाड़ी अब 16 से 18 सितंबर तक भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय वूशु प्रतियोगिता में मंदसौर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा जिला मंत्री पुलकित पटवा रहे। अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार प्रीति पाल सिंह राणा ने की। विशेष अतिथि वरिष्ठ पत्रकार सुरेश भाटी और आईपीएस इंग्लिश स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर भानु प्रताप सिंह राणा रहे। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश वुशु एसोसिएशन अध्यक्ष जयदीप प्रसाद, सचिव मनोज गुप्ता, जिला अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, उपाध्यक्ष विजय कोठारी सहित पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। संचालन गगन कुरील ने किया और आभार धवल कुमावत ने माना।

वास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

- मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकंाश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता हैं।

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया...

दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी वाटिका में हनुमान जी और सीता जी की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदर कांड रखा गया। सुंदर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता हैं कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी।

वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की कथा सबसे अलग है। संपूर्ण श्रीरामचरितमानस भगवान श्रीराम के गुणों और उनके पुरुषार्थ को दर्शाती है। सुंदर कांड एकमात्र ऐसा अध्याय है, जो श्रीराम के भक्त हनुमान की विजय का कांड है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या संकट से आप घिरे हुए हो तो सुंदर कांड पाठ पढ़ने या सुनने से यह संकट तुरंत दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह प्रभु श्रीराम के परमभक्त श्री बजरंग बली की विजय का कांड होने से हम पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है।

हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं, अत- प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने वाले मनुष्य के जीवन से नकारात्मक शक्तियां भाग जाती है तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं और हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।इसके अलावा भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के बहुत सारे लाभ हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसका विशेष लाभ मिलता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर एक्जाम में अच्छे अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह क्लेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह के प्रतबिंध लगाए गए हैं। देश में बहुत से मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश करने पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर में इस तरह के लिए जाना जाता है कि यहां प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना पड़ता है। इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा अर्चना करना चाहता है तो उसे महिलाओं की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में हैं जहां पर श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू त्यौहार मनाया जाता है। इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयार होने के लिए मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी पहनते है, बल्कि जूलरी, मेकअप और बालों में गजरा भी लगाते है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यही नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी। अपनी खास परंपरा के लिए दुनियाभर में मशहूर इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं हैं। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसके गर्भगृह के ऊपर छत या कलश नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे, जिसके बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर का रूप दिया गया। एक मान्यता यह भी है कि कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लग गया जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी।

इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है।

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है। कहते हैं कि 6 जगहों पर रुद्राक्ष पहकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएंगे।

- **श्मशान** - रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- **मृत्यु वाले घर** - जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो वहां पर भी रुद्राक्ष पननकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो गई है तो रुद्राक्ष को उतारकर किसी उचित स्थान पर रख दें।
- **शौचालय या स्नानघर** - टॉयलेट या बाथरूम में रुद्राक्ष पहनकर नहीं जाते हैं। ऐसा करने से घोर पाप लगता है। यह शिवजी का अपमान माना जाएगा।
- **मांस मदिरा सेवन के समय** - रुद्राक्ष पहकर कर मांस भक्षण करना या शराब पीना वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने में जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनता है उस स्थान से भी दूर रहें।
- **बालक के जन्म पर** - जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना वर्जित है। एक माह तक नियम का पानल करना चाहिए। ऐसी जगह पहनकर जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो जाता है।
- **शयन कक्ष** - सोने से पहले रुद्राक्ष को उतारकर उचित स्थान पर रख देना चाहिए। सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।

चन्द्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

चंद्र घात विचार वैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहां पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या सारणी भी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नहीं देता है।

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चन्द्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीय, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती है। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवीं, मिथुन की नौवीं, कर्क की दूसरी, सिंह की छठी, कन्या की दसवीं, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवीं, धनु की चौथी, मकर की आठवीं, कुम्भ की ग्यारहवीं, मीन की बारहवीं घड़ी घात चन्द्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चन्द्र वर्जित मानी गई है।
- घात चन्द्र में रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधव्य होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमशः 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चन्द्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चन्द्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमशः कृत्तिका, चित्रा, शतभीषा, मघा, धनिष्ठा, आर्दा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमशः 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चन्द्रमा वर्जित है।

हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

अवैध रेत भंडारण एवं परिवहन पर खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई, 21 डंपर एवं 4 ट्रैक्टर जब्त

नीमच । कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला खनिज अधिकारी श्री जगन सिंह भिड़े के नेतृत्व में खनिज विभाग की टीम द्वारा 3 एवं 7 सितंबर को विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए कुल 21 डंपर एवं 4 ट्रैक्टर जब्त किए गए हैं।

3 सितंबर 2026 को ग्वालटोली क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान कृष्णा टोल कांटे के सामने ईंट भट्टों के पास से 8 डंपर रेत, पाटीदार छात्रावास के पीछे से 3 डंपर, गाय चौराहा ग्वालटोली से 2 डंपर तथा गाय चौराहा के पीछे स्कीम नंबर-34 से 3 डंपर रेत जब्त की गई। इसके साथ ही रेत का अवैध परिवहन करते हुए 3 ट्रैक्टर भी जब्त किए गए।

इसी प्रकार 7 सितंबर 2026 को ग्राम गिरदौड़ा रोड किनारे अवैध रूप से रेत का भंडारण पाए जाने पर 5 डंपर एवं 2 ट्रैक्टर जब्त किए गए। मौके से रेत से भरा हुआ 1 ट्रैक्टर भी जब्त किया गया।

इस प्रकार खनिज विभाग द्वारा की गई दोनों कार्रवाई में कुल 21 डंपर एवं 4 ट्रैक्टर जब्त किए गए हैं। जब्त किए गए सभी वाहन कलेक्टर कार्यालय परिसर में रखवाए गए हैं।

जिला खनिज अधिकारी श्री जगन सिंह भिड़े ने बताया कि जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी ।

राज्यश्री शिक्षक सम्मान से सम्मानित महेंद्र सिंह पंवार का विद्यालय में हुआ सम्मान

नीमच। नीमच विधानसभा क्षेत्र के शासकीय माध्यमिक विद्यालय बिसलवास-बामनिया के शिक्षक श्री महेंद्र सिंह पंवार को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्यश्री शिक्षक सम्मान से सम्मानित किए जाने पर विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। श्री पंवार को महामहिम राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा राज्यश्री शिक्षक सम्मान से सम्मानित किए जाने पर आयोजित समारोह में विधायक दिलीप सिंह परिहार ने सहभागिता कर श्री पंवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर विधायक परिहार ने कहा कि शिक्षक महेंद्र सिंह पंवार को मिला यह सम्मान नीमच विधानसभा, विद्यालय एवं ग्राम बिसलवास-बामनिया के लिए गौरव का विषय है। शिक्षक समाज की नई पीढ़ी को ज्ञान, संस्कार एवं सही दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्री पंवार का समर्पण एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान अन्य शिक्षकों के लिए भी प्रेरणादायी है।

कार्यक्रम में चतुर्भुज नागदा, शंभूलाल नागदा, मदनलाल नागदा, विधायक प्रतिनिधि दीपक नागदा, सरपंच विनोद भील, अशोक नागदा, चमन नागदा, मुकेश नागदा सहित शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थितजनों ने शिक्षक महेंद्र सिंह पंवार को राज्यश्री शिक्षक सम्मान प्राप्त करने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 का शुभारंभ 9 सितंबर से

नीमच । 9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 का शुभारंभ 9 सितंबर से होगा। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले के आंगनवाड़ी केन्द्रों, ग्राम पंचायतों, विद्यालयों एवं समुदाय स्तर पर विभिन्न पोषण जागरूकता एवं जनभागीदारी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री राजेश गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष की थीम "हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी" है। इसके तहत आंगनवाड़ी केन्द्रों को बच्चों एवं महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य, देखभाल और प्रारंभिक बाल विकास के प्रमुख केन्द्र के रूप में सुदृढ़ करने पर जोर दिया जाएगा।

पोषण माह के दौरान संतुलित एवं पोषण विविधता वाले आहार के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी। स्थानीय खाद्य पदार्थों, मोटे अनाज, दाल, हरी सब्जियों, मौसमी फलों एवं प्रोटीनयुक्त आहार के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा। आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पौष्टिक व्यंजन प्रदर्शन, पोषण मेले तथा गर्म पके भोजन की गुणवत्ता एवं विविधता संबंधी गतिविधियां होंगी।

0 से 3 वर्ष के बच्चों के विकासात्मक पड़ावों की पहचान तथा 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए खेल-खेल में सीखने की गतिविधियों पर विशेष ध्यान रहेगा। गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने के साथ पात्र महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

कम वर्षा में फसलों की नमी संरक्षण पर किसान दें विशेष ध्यान

खेत का नियमित निरीक्षण करें, जरूरत होने पर ही सिंचाई व कीट नियंत्रण करें

नीमच, 8 सितंबर। जिले में मानसून अवधि के दौरान अब तक सामान्य से करीब 20 से 25 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज हुई है। कृषि विज्ञान केंद्र नीमच ने किसानों को फसलों में नमी संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है। किसानों से खेत और फसल की नियमित निगरानी करने तथा आवश्यकता के अनुसार ही सिंचाई करने को कहा गया है। सोयाबीन, मक्का, मूंगफली सहित अन्य फसलों में नमी की कमी से उत्पादन प्रभावित हो सकता है। सिंचाई सुविधा वाले किसान उपलब्ध पानी का उपयोग जरूरत वाली फसलों में प्राथमिकता से करें। पर्याप्त नमी वाले खेतों में अनावश्यक सिंचाई न करें।

कीट-रोगों की निगरानी जरूरी – कम वर्षा में कीट प्रकोप की आशंका बढ़ सकती है। सेमीलूपर, गर्डल बीटल, पीला मोजेक, फॉल आर्मीवर्म और सफेद लट जैसे कीट-रोग दिखाई देने पर कृषि विशेषज्ञ की सलाह से ही अनुशंसित दवाओं का उपयोग करें। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. सीपी पचौरी ने किसानों से अपील की कि रसायनों के प्रयोग से पहले कीट या रोग की सही पहचान अवश्य कराएं।

पिपलिया रुडी में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित,43 लोगों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

नीमच । आयुष विभाग के अंतर्गत शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय पिपल्या रावजी द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-5, पिपलिया रुडी में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 43 लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियां वितरित की गईं। शिविर में त्वचा रोग, उदर रोग, नेत्र रोग, श्वास-कास, अम्लपित्त, अग्निमांद्य, विबंध, उदर शूल, अतिसार, संधिवात, नाक-कान-गला संबंधी रोग, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप सहित विभिन्न रोगों की जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। चिकित्सा दल द्वारा मौसमी बीमारियों से बचाव, तनाव प्रबंधन, नशामुक्ति, स्वच्छता तथा स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के संबंध में भी आवश्यक जानकारी एवं परामर्श प्रदान किया गया।

मन पवित्र हो तो आत्म कल्याण का मार्ग मिलता है : रत्न निधि श्रीजी

नीमच सितम्बर । पर्षयुण पर्व तपस्या करने का पर्व है। तपस्या से मन पवित्र होता है। जीव दया का पालन करते हुए हिंसा का त्याग करना चाहिए पर्युषण पर्व में 8 दिन जीव दया का पालन करना चाहिए ताकि

मन पवित्र हो तो आत्म कल्याण का मार्ग मिलता है। यह बात महावीर जिनालय में चल रही चातुर्मासिक आराधना के दौरान परम पूज्य विचक्षणा ज्योति मालव मणि प्रवर्तिनी महोदया चंद्रप्रभा श्रीजी महाराज साहब की सुशिष्या रत्न निधि श्रीजी महाराज साहब ने सम्यक दर्शन पर प्रेरणादायी प्रवचन दिया। रत्न निधि श्रीजी ने कहा कि नवकार मंत्र का उच्चारण करना चाहिए ताकि मन पवित्र हो सके। उन्होंने कहा कि रात्रि भोजन का त्याग करना चाहिए वनस्पति 6 दिन का त्याग करना चाहिए। उन्होंने गुरु सेवाऔर क्षमा की महत्ता समझाते हुए कहा कि धर्म कर्म में भी संत का निमित्त और किसी ने किसी का कि हमें लक्ष्य तक पहुंचना है तभी हमारा मुक्ति मार्ग हमें मिलता है। उन्होंने कहा कि सम्यक दर्शन की प्राप्ति के बाद प्रत्येक व्यक्ति को पुण्य कर्म करते हुए मन को पवित्र बनाने और तत्त्वों को समझने का प्रयास करना चाहिए। पर्यूषण पर्व का शंखनाद विभिन्न अनुष्ठानों के साथ, महावीर जिनालय विकास नगर श्री संघ ट्रस्ट अध्यक्ष राकेश जैन आंचलिया, चातुर्मास समिति अध्यक्ष राजमल छाजेड़ ने बताया कि पर्यूषण पर्व का शंखनाद 8 से 16 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा जिसमें प्रतिदिन सुबह 9 प्रवचन शाम को 7बजे प्रतिक्रमण सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे इस अवसर पर समाज जनों द्वारा व्रत उपवास आयम्बिल एकाकसना बियासना का पंचकखान लेकर संकल्प भी लिया जाएगा तपस्वियों के अनुमोदना के लिए भी विभिन्न प्रकार के आयोजन किए जाएंगे ।प्रर्युषण पर्व में भजन संध्या एवं गरबा जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रतियोगिताएं भी आयोजित किए जाएंगी।

'सामायिक' चरित्र चित्रण में शील और संयम का प्रसंग के महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्रसंग के माध्यम से संयम की स्थिति को समझाया गया। तप आराधना प्रसंग मे सदैव सत्य बोलना चाहिए।तपस्या की क्रिया में पवित्रता के साथ सहभागी बनना चाहिए। इसके बाद पर्युषण तप आराधना में आगे इस प्रसंग में क्या होता है, यह कथानक के अगले क्रम में अगले दिवस बताया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।